>

Title: Reported use of machinery by Kuteshwar Lime Stone Mines, Katni, M.P. leaving thousands of families jobless.

श्री जितेन्द्र सिंह बुन्देला (खजुराहो): सभापति महोदय, मेरी शून्यकाल की सूचना एक ऐसे वर्ग से है जो रोज़ मजदूरी करता है और उस मजदूरी से राशन खरीदता है, अपने बाल-बच्चों का पेट पालता है। यह सूचना इस्पात मंत्रालय से संबंधित है। मेरे लोक सभा क्षेत्र खजुराहो के कटनी जिले में कोटेश्वर लाइम स्टोन माइन्स के नाम इस्पात मंत्रालय की एक माइन चल रही है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि वर्ष 1978 जब यह प्रारंभ हुई तो उस समय यह शर्त रखी गई थी, जिन किसानों के खेत लिए गए थे, उन खेतों को जिन्हें लाइम स्टोन की इन माइन्स में लिया जाएगा, उस परिवार के एक बच्चे को नौकरी दी जाएगी और आस-पास के गांवों के मजदूरों को मजदूरी दी जाएगी। आज उन शर्तों को भूलकर इस्पात मंत्रालय ने ऐसी स्थिति खड़ी कर दी है कि ज्यादा उत्पादन के चक्कर में तीन हजार मजदूर जो रोज़ वहां जाकर मजदूरी करते थे, उनको बाहर निकाल दिया है और पूरी माइन का मशीनीकरण कर दिया है।

महोदय, स्वामी जी यहां बैठे हैं, जो मध्य प्रदेश के प्रभारी भी रहे हैं, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि जो मजदूर निकाले गए हैं, जब से यह निर्णय लिया गया है, तब से वे प्रजातांत्रिक तरीके से आंदोलन और धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। धीरे-धीरे विस्फोटक स्थिति होती जा रही है। ये आज भी अपंजीकृत मजदूर हैं, जिसके कारण इनको भविष्यनिधि का लाभ नहीं मिल रहा है। मैं भारत सरकार से मांग करना चाहता हूं कि आप एक तरफ मनरेगा के माध्यम से गरीबों को रोजगार की गारंटी देकर, उन्हें रोजगार दे रहे हैं और दूसरी तरफ फायदा कमाने के चक्कर तीन हजार मजदूरों को बेरोजगार करके अनशन के लिए मजबूर कर दिया है। मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं क्योंकि यह संवेदनशील मामला है। मध्य प्रदेश के उस इलाके में और कोई काम इस तरीके का नहीं है जिससे वे अपने बच्चों का पेट पाल सकें। आपकी ओर से भारत सरकार को यह निर्देश जाना चाहिए कि कोटेश्वर माइन्स में जो तीन हजार मजदूर निकाले गए हैं, उनको पुनः शामिल किया जाए। उन्हें पंजीकृत किया जाए, ताकि उन्हें भविष्य निधि का लाभ मिल सके।...(व्यवधान) उसमें हाईकोर्ट की तरफ से डायरेक्शन भी आ चुका है। इसमें आवश्यक यह है कि इसमें तत्काल कार्रवाई करें ताकि उन गरीब मजदूरों को राहत मिल सके। जिस समय इसकी स्थापना हुई थी, उस समय उन्होंने जो वायदे किए थे, जो शर्तें रखी थीं कि हम क्षेत्र के किसानों को लाभ देंगे, मजदूरी देंगे और एक आदमी को वहां नौकरी देंगे, उन शर्तों को पूरा किया जाए, यही मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं। धन्यवाद।

श्री गणेश सिंह (सतना): महोदय, मैं उक्त विषय से अपने को संबद्ध करता हूं।